प्राचीन सुबकि पेंटगि

[स्रोत: इंडयिन एक्सप्रेस](#)

मणपिुर की समृद्ध सांस्कृतकि वरिासत को संरक्षति करने हेतु **मणपिुर की** प्राचीन **सुबकि पेंटगि शैली**, जो वलिुप्त की कगार पर है, को पुनर्जीवति करने के लयि व्यापक प्रयास कयि जा रहे हैं।

- सुबकि पेंटगि शैली मैतेई समुदाय के सांस्कृतकि इतहिास से संबंधति है तथा अपनी छह जीवति पांडुलपियिों; सुबकि, **सुबकि अचौबा, सुबकि लाईशाबा, सुबकि चौदति, सुबकि चेइथलि तथा थेंगराखेल सुबकि** के माध्यम से अस्तत्वि में हैं।
- यह शैली ऐतहिासकि रूप से महत्त्वपूर्ण है कतिु वगित कुछ वर्षों में हुई इसकी उपेक्षा के परणािमस्वरूप इसकी स्थतिि प्रभावति हुई है।
- यह पेंटगि **हस्तनर्मिति कागज़ पर बनाई जाती हैं** तथा **पांडुलपियिों के लयि आवश्यक सामग्री**, जैसे हस्तनर्मिति कागज़ अथवा वृक्ष की छाल, स्थानीय स्तर पर तैयार की जाती है।

//

और पढ़ें... भारतीय चत्रिकला